राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
ह्यूमन इंडिया

# गोल्डन कैटेगरी में हासिल किया राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन उत्कृष्टता सम्मान-2025

## शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार को प्रदान किया सम्मान

**ह्यूमन इंडिया/बलराम बंसल**

**पलवल।** श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने उपलब्धियों के आसमान में एक और लंबी छलांग लगायी है। हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन उत्कृष्टता सम्मान-2025 से नवाजा गया है। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफ़ेसर दिनेश कुमार को चंडीगढ़ में आयोजित समारोह में गोल्डन कैटेगरी में यह अवार्ड प्रदान किया। कुलगुरु प्रोफ़ेसर दिनेश कुमार ने इस सम्मान के लिए शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा एवं हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर कैलाश चंद्र शर्मा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को क्रियान्वित करने में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने अग्रदूत बनकर पहल की और इसे नवाचार के रूप में लिया। चाहे वह केजी टू पीजी मॉडल को अपनाना हो या फिर इंडस्ट्री इंटीग्रेटेड मॉडल को उच्च शिक्षा में लागू करना हो, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय सब में अग्रणी रहा। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने बताया कि देश के पहले राजकीय कौशल विश्वविद्यालय के नाते हमने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को न केवल आत्मसात किया, बल्कि उच्च शिक्षा में कौशल को समन्वित कर उसे रोजगारपरक बनाने का मॉडल भी देश के सामने रखा है, जिसका भारत के सभी अन्य कौशल विश्वविद्यालय भी अनुसरण कर रहे हैं। हमने उच्च शिक्षा में ऑन द जॉब ट्रेनिंग को समन्वित किया है, जिसमें विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ काम सीख रहे हैं और स्कॉलरशिप के रूप में कमाई भी कर रहे हैं। प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग के साथ-साथ एलुमनी सेल को भी सक्रिय बनाया गया है, जिससे प्लेसमेंट तेजी से बढ़ा है। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने बताया कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने कई संस्थानों से हाथ मिलाया है और उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में सिडबी के सहयोग से सुपर-30 प्रोग्राम संचालित किया है। लीक से हट कर काम करने की इन पहल के कारण ही श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय को यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन उत्कृष्टता सम्मान-2025 प्रदान किया गया है। उन्होंने इसका श्रेय शिक्षकों, विद्यार्थियों और सभी कर्मियों की मेहनत को दिया है। इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलगुरु डॉ. राज नेहरू, कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा, अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर विक्रम सिंह, अधिष्ठाता प्रोफेसर आर एस राठौड़ और ग्रीन टेक्नोलॉजी के चेयरपर्सन प्रोफसर सुनील गर्ग ने कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार को बधाई दी।